B.A. (Honours) Examination, 2019
Semester-IV (CBCS)
Hindi
Course : CC-9
(हिन्दी उपन्यास)

Time : 3 Hours **Full Marks : 60**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×8=24

   क) जब तक छोटे-छोटे आदमियों का वेतन इतना न हो जायेगा कि वह भलमनसी के साथ निर्वाह कर सकें तब तक रिश्वत बन्द न होगी। यही रोटी-दाल, घी-दूध तो वह भी खाते हैं। फिर एक को तीस रूपये और दूसरे को तीन सौ रूपये क्यों देते हो?

   ख) मैं सोचता, यह दुनिया में क्या-क्या हमने खड़ा कर लिया है, जो दो के मनो के स्नेह को ऐसे फाड़ देता है। मन क्या फटने के लिए है? क्या वे आपस में जुड़े रहने के लिए नहीं हैं?

   ग) स्वार्थ को इतनी छूट देना ठीक नहीं कि वह विवेक हो ही खा जाये। अखबारों को तो आजाद रहना ही चाहिए। वे ही तो हमारे कामों का, हमारी बातों का असली दर्पण होते हैं। मेरा तो उसूल है कि दर्पण को धुंधला मत होने दो। हाँ, अपनी छवि देखने का साहस होना चाहिए आदमी में।

   घ) देवता का विधान केवल विश्वास और अनुमान की वस्तु है, जैसे देवता के अस्तित्व का प्रमाण केवल विश्वास और अनुमान है। देवता और उनका विधान अनुभव और प्रत्यक्ष प्रमाण द्वारा ग्राह्य नहीं है। अनुमान अनुभव के आधार पर ही हो सकता है। यदि अनुमान अनुभव द्वारा प्रमाणित नहीं तो संदिग्ध है।

   ङ) ढोल पीटने और दुहाई देने के लिए तो जरूर प्रजातंत्र था, पर उसकी असलियत यह कि प्रजा विल्कुल बेमानी और तन्त्र मुट्ठी भर लोगों की मनमानी।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×12=36

   क) 'गबन' में मूल्यों की टूटन तथा मध्यवर्गीय भटकाव का वास्तविक चित्रण है', कथन के आलोक में 'गबन' की समीक्षा कीजिए।

   ख) "व्याक्तिगत समस्या से आरम्भ होकर राष्ट्रीय समस्याओं का चित्र 'गवन' उपन्यास में मिलता है।" सिद्ध कीजिए।

   ग) 'त्यागपत्र' उपन्यास की कलागत समीक्षा कीजिए।

   घ) " 'महाभोज' भारतीय राजनीति का कटु यथार्थ प्रस्तुत करता है।" कथन की समीक्षा कीजिए।

   ङ) धर्म और संस्कृति की आड़ में कुटिल राजनीति खेलनेवाली सामंतशाही व्यावस्था का यथार्थ 'दिव्या' उपन्यास में हुआ है।" कथन की समीक्षा कीजिए।